ओवरलोड पिकअप पलटी, महिला की मौत; 20 से अधिक मजदूर घायल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भैरूंदाः तहसील क्षेत्र में मंगलवार सुबह मजदूरों से भरी एक ओवरलोड पिकअप के पलटने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक मजदूर घायल हो गए। घायलों में महिलाएं, पुरुष और नाबालिग भी शामिल हैं। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, लाड़कुई क्षेत्र के भिलाई और आसपास के गांवों से करीब 35 से 40 मजदूर एक पिकअप वाहन में सवार होकर धान रोपाई के लिए मालीबया गांव जा रहे थे। सुबह करीब नौ बजे भैंसान-आमिरगंज मार्ग पर चालक ने एक वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद मजदूर सड़क और खेतों में जा गिरे, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

दुर्घटना में भिलाई निवासी अनीता बरेला (30) की मौके पर ही मौत हो गई। स्वरूप, समनी, सोधार, पूजा, जितेंद्र, संगीता, सोमारी, निरखी, अनीशा, ममता, पिंकी, उमेश, राधा, राकेश, तिलक, मनीषा सहित 20 से अधिक मजदूर घायल हुए हैं। इनमें से पांच की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया।

हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण सबसे पहले मौके पर पहुंचे और पिकअप में फंसे मजदूरों को बाहर निकालकर निजी वाहनों तथा एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाड़कुई और सिविल अस्पताल भैरूंदा में एक साथ बड़ी संख्या में घायलों के पहुंचने से अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

घायलों ने बताया कि पिकअप में क्षमता से कहीं अधिक लोगों को बैठाया गया था। उनका आरोप है कि चालक तेज रफ्तार से वाहन चला रहा था और ओवरटेक के दौरान संतुलन खो बैठा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरों को ओवरलोड वाहनों में ले जाना आम बात है, लेकिन इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होती।

हादसे में नाबालिगों के घायल होने से बाल मजदूरी और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में काम के लिए बच्चों को भी मजदूरी पर ले जाया जाता है, जिस पर संबंधित विभागों की निगरानी आवश्यक है।

करीब 40 मजदूरों को एक छोटे पिकअप वाहन में ले जाना मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह का परिवहन लगातार जारी है। स्थानीय लोगों ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

भैरूंदा थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने बताया कि हादसा ओवरटेक के दौरान वाहन अनियंत्रित होकर पलटने से हुआ। एक महिला की मौत हुई है और कई लोग घायल हैं। घटना रेहटी थाना क्षेत्र की होने के कारण संबंधित पुलिस मामले की जांच कर रही है। फरार चालक की तलाश जारी है।

ब्राउन शुगर बरामदगी के बाद शहर में नशे के कारोबार पर उठे सवाल

गंजबासौदा। हाल ही में पुलिस द्वारा बरेठ रोड क्षेत्र से एक युवक को कथित रूप से ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किए जाने के बाद शहर में नशे के अवैध कारोबार को लेकर चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है।

नागरिकों का कहना है कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सिरोंज चौराहा, राजेंद्र नगर, लाल पठार और कुछ अन्य सार्वजनिक स्थानों पर समय-समय पर संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें मिलती रही हैं। लोगों ने पुलिस और प्रशासन से इन क्षेत्रों में नियमित निगरानी बढ़ाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पुलिस विशेष अभियान चलाती है तो अवैध गतिविधियों पर अंकुश देखने को मिलता है, लेकिन अभियान की गति धीमी पड़ने पर ऐसे तत्व फिर सक्रिय हो जाते हैं। नागरिकों ने जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों और उनके नेटवर्क के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने तथा युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए निरंतर अभियान चलाने की मांग की है।

लापरवाही के कारण लाखों की संपत्ति जलकर राख, कचरे से भड़की लपटें

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीहोरः स्वच्छ भारत अभियान के तहत इंग्लिशपुरा में लाखों की लागत से बना नगर पालिका का हाईटेक कचरा घर मंगलवार सुबह जलकर खाक हो गया। लेकिन इस भीषण आगजनी ने अब कई गंभीर सवालों को जन्म दे दिया है। आखिर वह कौन है जिसने कचरा घर के बाहर बोरियों में भरकर भारी मात्रा में वेस्ट मटेरियल पटका था और सुलग रही इस आग को किसने हवा दी।

स्थानीय निवासियों के मुताबिक कचरा घर के भीतर कचरा डालने की पूरी व्यवस्था होने के बावजूद बाहर खुले में बोरियों में भरकर भारी मात्रा में कचरा फेंका गया था। चर्चा है कि क्षेत्र के शहर के गांधी रोड स्थित एक कपड़ा व्यापारी द्वारा अपनी दुकान या गोदाम का कतरन और वेस्ट मटेरियल चोरी-छिपे यहां लाकर पटका गया था।

सवाल यह है कि जब शहर को साफ रखने के लिए लाखों का हाईटेक सिस्टम बनाया गया था तो नियमों को ताक पर रखकर इस तरह बाहर कचरा फेंकने की हिम्मत किसने और क्यों की।

सोमवार से उठ रहा था धुआं, मंगलवार को बनी लपटें: स्थानीय लोगों का कहना है कि सोमवार शाम बाहर जमा इन बोरियों से हल्का धुआं उठना शुरू हो चुका था। मंगलवार सुबह देखते ही देखते इस धुएं ने विकराल आग का रूप ले लिया और पूरे कचरा घर को अपनी चपेट में ले लिया। यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी ने जानबूझकर इस कचरे में आग लगाई थी या किसी जलती हुई बीड़ी-सिगरेट की वजह से यह हादसा हुआ।

लाखों का हाईटेक ढांचा पल भर में स्वाहा: आग इतनी तेजी से फैली कि अत्याधुनिक कचरा घर का पूरा ढांचा और उसमें लगी मशीनें कुछ ही देर में पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं। घटना के दौरान आसमान में काले धुएं का ऐसा गुबार उठा कि पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

उज्जैन नवोदय विद्यालय के हॉस्टल से लापता दूसरे छात्र का भी मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैनः उज्जैन जिले के घट्टिया थाना क्षेत्र स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के हॉस्टल से लापता हुए दोनों छात्रों के शव मिल गए हैं। 10वीं के छात्र प्रज्ञान विमल का शव मंगलवार सुबह तालाब में तैरता मिला था, जिसके बाद चले रेस्क्यू ऑपरेशन में करीब 21 घंटे बाद 9वीं के छात्र रोशन बरेठा का शव भी एसडीआरएफ और गोताखोरों की टीम ने ढूंढ निकाला।

जानकारी के अनुसार, जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर के पास स्थित तालाब में डूबे दोनों नाबालिग छात्रों की तलाश पूरी हो गई है, लेकिन इसका अंत बेहद दुखद रहा। सोमवार देर शाम हॉस्टल से लापता हुए दोनों छात्रों में से 15 वर्षीय प्रज्ञान विमल का शव मंगलवार सुबह करीब छह बजे ग्रामीणों की मदद से पानी पर उतराता हुआ बरामद किया गया था। इसके बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की संयुक्त टीम ने दूसरे छात्र की खोज के लिए तालाब में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। घटना के करीब 21 घंटे बाद आखिरकार 14 वर्षीय रोशन बरेठा का शव भी पानी की गहराइयों से ढूंढ निकाला गया। पुलिस ने दोनों शवों को मर्चुरी भेज दिया है, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन्हें परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

इस हादसे के बाद से पूरी तरह से सुरक्षित और आवासीय कहे जाने वाले नवोदय विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और बेहद गुस्से में नजर आ रहे परिजनों ने आरोप लगाया है कि हॉस्टल में रात्रिकालीन उपस्थिति, वार्डन की मुस्तैदी और परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में भारी लापरवाही बरती गई, जिसके चलते दो नाबालिग बच्चे देर रात हॉस्टल की सुरक्षा लांघकर बाहर निकल गए और इस हादसे का शिकार हो गए।

घट्टिया थाना प्रभारी करण खोवाल ने बताया कि दोनों बच्चे सोमवार शाम से लापता थे और स्कूल प्रबंधन की सूचना पर पुलिस ने रातभर सीसीटीवी फुटेज खंगालकर उनकी खोजबीन की थी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी और यदि इस पूरे घटनाक्रम में स्कूल प्रबंधन या जिम्मेदार कर्मचारियों की लापरवाही उजागर होती है, तो उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा पर उठे सवाल, व्यापक जांच की मांग

बरेली। नगर में संचालित विभिन्न स्कूलों के वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। अभिभावकों और नागरिकों का आरोप है कि कुछ स्कूली वाहनों का संचालन बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस वाले चालकों द्वारा किया जा रहा है, जबकि कुछ मामलों में चालकों के नशे की हालत में वाहन चलाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। नगर के प्रमुख मार्गों पर कई स्कूली वाहन तेज रफ्तार से दौड़ते देखे जा रहे हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि यदि परिवहन विभाग और पुलिस प्रशासन संयुक्त रूप से विशेष जांच अभियान चलाए तो कई वाहनों में फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, स्पीड गवर्नर, चालक के दस्तावेज तथा अन्य सुरक्षा मानकों से जुड़ी अनियमितताएं सामने आ सकती हैं। जानकारों का कहना है कि स्कूली वाहन सीधे बच्चों की सुरक्षा से जुड़े होते हैं, इसलिए निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाना चाहिए।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर ने सुनीं नागरिकों की समस्याएँ

नईदुनिया प्रतिनिधि, देवासः जिला मुख्यालय पर मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर संजीव जैन ने नागरिकों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित एवं नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई कलेक्टर ऋतुराज सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर विशाखा देशमुख सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में नेवरी निवासी सीमाबाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, गंधर्वपुरी निवासी राधेश्याम ने भूमि का सीमांकन कराने तथा सुकल्या निवासी विजय कलेसरिया ने डॉ. भीमराव आंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। अपर कलेक्टर ने सभी मामलों में संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना, भूमि सीमांकन, बिजली बिल कम कराने, बीपीएल सूची में नाम जोड़ने, नामांतरण, बंटवारा, रास्ते से अतिक्रमण हटाने और नालियों की सफाई सहित अन्य समस्याओं से जुड़े आवेदन भी प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर ने संबंधित विभागों को सभी आवेदनों की जांच कर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आबकारी अमले ने 300 पाव देसी मसाला शराब व बाइक की जब्त

विदिशा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार तथा जिला आबकारी अधिकारी विकास त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आबकारी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध शराब का परिवहन कर रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी राजीव थापक एवं श्रीमती साधना पटेल राजपूत के नेतृत्व में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर आबकारी दल ने भेंरोखेड़ी तिराहा स्थित हैप्पी वाइव रेस्टोरेंट के पास ठठर रोड पर घेराबंदी की। इस दौरान टीवीएस राइडर मोटरसाइकिल को रोककर उसकी तलाशी ली गई। वाहन चालक की पहचान अंकित पिता मुकेश श्रीवास्तव (25 वर्ष), निवासी ग्राम क्षीरखेड़ा थाना करारिया के रूप में हुई। मोटरसाइकिल पर बंधे दो थैलों की तलाशी लेने पर उनमें से 300 पाव देसी मसाला मदिरा, कुल 54 बल्क लीटर अवैध शराब बरामद की गई। आरोपित को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

सांची विधायक ने दस्तक अभियान का शुभारंभ किया, 31 अगस्त तक घर-घर जाएगा अमला

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायसेनः जिला अस्पताल में मंगलवार को सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी और नगर पालिका अध्यक्ष सविता सेन ने दस्तक अभियान का शुभारंभ किया। जिले में यह अभियान 14 जुलाई से 31 अगस्त तक संचालित किया जाएगा। विधायक डॉ. चौधरी ने कहा कि अभियान के प्रथम चरण में स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करेंगी। अभियान का उद्देश्य डायरिया, निमोनिया, एनीमिया और कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के समन्वय से अभियान का प्रभावी संचालन किया जाए और कोई भी पात्र बच्चा लाभ से वंचित न रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खत्री ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से घर-घर पहुंचकर बच्चों को दस्त की रोकथाम के लिए ओआरएस और जिंक का वितरण, विटामिन-ए की खुराक, आयरन सिरप का सेवन, कुपोषित बच्चों की पहचान तथा मौसमी बीमारियों की जांच एवं उपचार सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, सिविल सर्जन डॉ. अनिल ओढ़, जिला टीकाकरण अधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

उड़ीसा की जगन्नाथपुरी की रथयात्रा की भांति ही विदिशा जिले के मानोरा धाम की रथयात्रा भी महत्वपूर्ण

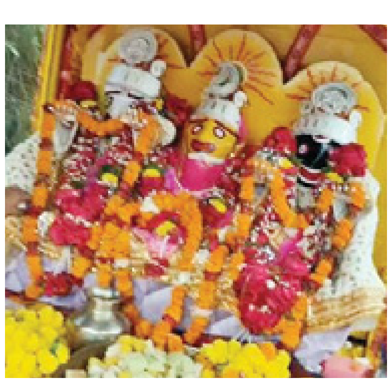

नईदुनिया प्रतिनिधि, विदिशाः उड़ीसा की जगन्नाथपुरी की भगवान श्रीकृष्ण, उनके अग्रज भगवान श्री बलरामजी तथा बहिन सुभद्रा देवी की वार्षिक रथयात्रा समुचे संसार में सुविख्यात है। कमोवेश ऐसी ही रथयात्रा विदिशा जिले के मानोरा धाम में भी उसी दिवस विगत 200 वर्षो से निरंतर निकलती रही है। मानोरा की इस विशिष्ट रथयात्रा का विशेष महत्व यह है कि भक्तों की आस्था, धारणा ऐसी है कि यहां जब रथ खड़ा रहता है, तब अचानक रथ में कुछ ऐसी हलचल होती है मानो कोई उस पर रथारूढ़ हुआ है। इसे भगवान की जगन्नाथपुरी से मानोरा पधारने का स्पष्ट संकेत माना जाता है और भगवान के गगनभेदी जय-जयकार होने लगती है। मानोरा की इस विशेष रथयात्रा का एक और बढ़ा महत्व यह भी है कि इससे प्रेरणा लेकर ना केवल विदिशा जिले बल्कि प्रदेश के अनेक भागों में भी साथ ही सैंकड़ो-हजारों रथयात्राएं विभिन्न स्थानों पर निकाली जाती हैं। इन हजारों रथयात्राओं का भी निश्चित रूप से विशिष्ट महत्व है, परन्तु विदिशा जिले के मानोरा की रथयात्रा का सर्वोच्च-सर्वोपरि प्रेरक महत्व है।

मानोरा धाम की इस रथयात्रा में रथ की दूसरी मंजिल पर उड़ीसा की पुरी की भांति ही चंदन-काष्ठ निर्मित मूर्तियां ही विराजमान होंगी। इस वर्ष मानोरा में 16 जुलाई को निकाली जाने वाली रथयात्रा हेतु शासन-प्रशासन सहित श्रद्धालुओं द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। मानोरा के जिस 200 वर्ष प्राचीन 22 फीट ऊँचे दो मंजिला रथ पर भगवान श्रीकृष्ण, अपने अग्रज भगवान श्री बलरामजी तथा बहिन सुभद्रा देवी सहित आरूढ़ होकर भक्तों को दर्शन देते हुए कृत-कृत्य तथा अनुग्रहीत करेंगे, उस अति विशेष रथ की मरम्मत ओर रंगरोगन का कार्य पूर्ण हो गया है।

एक ओर जहां उड़ीसा की जगन्नाथ पुरी से भगवान के मानोरा पधारने के स्पष्ट संकेत प्राप्त होते रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस दिन मानोरा में चाहे कम हो अथवा अधिक वर्षा को बड़ा शुभ मानते हुए बारिश की स्थिति का अनुमान किया जाता है। इस विशाल रथ की पहली मंजिल पर 12 से अधिक स्वयंसेवक श्रद्धालुओं से प्रसादी प्राप्त कर भगवान को अर्पण करने का कार्य करेंगे और भक्तों द्वारा प्रदत्त दान राशि आदि को वहीं रखी पेटियों में सुरक्षित रखेंगे। दूसरी ओर मंदिर के पुजारी भी स्वयंसेवकों के साथ भगवान की पूजा-अर्चना, वंदना-आराधना में संलग्न रहेंगे।